आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांक:-प्रतिदिन

दैनिक समाचार–पत्र

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 9 • अंक-2301 • उदयपुर, सोमवार 12 अप्रेल, 2021 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

समाचार–जगत्
सकारात्मक व जनहितार्थ खबरें

चार्जिंग स्टेशन पेट्रोल पम्प, दौड़ेंगे इलेक्ट्रिक वाहन

केंद्र सरकार की ओर से राष्ट्रीय ईधन सुरक्षा वृद्धि एवं सहनीय पर्यावरण मित्र परिवहन उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय विद्युत गतिशीलता मिशन योजना–2020 जारी की गई है। इसके अर्न्तगत वर्ष 2030 तक सभी वाहन विद्युत(बैटरी) चलित कर देने का लक्ष्य रखा गया है। इलेक्ट्रिक वाहनों चलन में बड़ी रूकावट बैटरी चार्जिंग तंत्र की कमी है। इसके समाधान के लिए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। हाईवे पर प्रत्येक 25 किलोमीटर की दूरी और आबादी में 3–3 किलोमीटर क्षेत्र पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में चल रहे पेट्रोल पम्पों पर भी चार्जिंग स्टेशन लगाए जा सकेंगे।

इसलिए अभी कम चलन

इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या कम होने का बड़ा कारण अधिक कीमत व चार्जिंग सुविधा की कमी होना है। इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत में सर्वाधिक लागत बैटरी की होती है।

लिथियम आयन बैटरी की कीमत 11250 से 15000 रुपए प्रति यूनिट तक होती हैं। इसकी चार्जिंग 10 मिनट में हो सकती है। कार के लिए बैटरी की कीमत 10 हजार रुपए प्रति किलोवाट तथा बस–ट्रक के लिए 20 हजार प्रति किलोवाट घंटा हैं। प्रदेश में 5 हजार रुपए प्रति किलोवाट घंटा की सब्सिडी मिलती है।

दो तरह की व्यवस्था प्रस्तावित

1 निजी घर, कार्यालय में बैटरी चार्जर की स्थापन की विद्युत निगम की ओर से अनुमति दी जाएगी, लेकिन भार क्षमता स्वीकृति में रखनी होगी। इसके लिए कंज्यूमर अपने बिजली कनेक्शन के स्वीकृत विद्युत भार में नियमानुसार बढ़ोतरी करा सकेंगे।

2 विद्युत निगम की ओर से विद्युत केन्द्रों आदि परिसर में लोकल चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा सकेंगे, जिसमें वाहनों की बैटरी तय शुल्क पर चार्ज की सुविधा मिलेगी। निजी क्षेत्र में लोक चार्जिंग स्टेशन लगाने के लाइसेंस दिए जाएंगे।

यह रहेगी बिजली व्यवस्था

विद्युत वितरण निगम से आवश्यक भार का कनेक्शन लिया जा सकेगा। केंद्र सरकार की 'फेम' योजना के तहत औसत बिजली लागत से 15 प्रतिशत अधिक तक रखने का प्रावधान है, लेकिन राजस्थान में इसको प्रोत्साहित करने के लिए बिजली दर में छूट का प्रावधान रखा गया है।

आईसीएआर ने वायरस प्रतिरोधी मिर्च की किस्म विकसित की

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बेंगलुरु स्थित भारतीय आगवानी शोध संस्थान (आईआईएचआर) ने वायरस प्रतिरोधी मिर्च की एक नयी किस्म विकसित की है। आईआईएचआर बाजार में सीधे इस किस्म को अब परखने के लिए इसे देश भर में कृषि विज्ञान केंद्रो (केवीके) को देगा।

स्थान–विशेष के केवीके के मिले परिणामों के आधार पर, उस विशेष क्षेत्र में मिर्च के बीज बाजार में जारी किए जा सकते हैं। आईआईएचआर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. के. माधवी रेड्डी ने बुधवार को राष्ट्रीय बागवानी मेला–2021 के दौरान बताया, "हमने लीफ कर्ल वायरस प्रतिरोधी एक मिर्ची विकसित की है।" लीफ कर्ल के प्रकोप से मिर्च की पत्तियां ऐंठ जाती है। यह वायरस रायचुर में ज्यादा प्रचलित है। वहां से इसे निकाल कर इसके प्रभाव पर अनुसंधान कर के नयी किस्म विकसित की गई है।

सेवा–जगत्
मानवता का प्रतिक, आपका सेवा संस्थान

जिला कलेक्टर सा. ने नारायण सेवा को किया सम्मानित

नारायण सेवा संस्थान को सामूहिक विवाह का सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री, राजस्थान व महिला एवं बाल विकास विभाग ने संस्थान के सराहनीय प्रयास की सराहना की है।

संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार को जिला कलेक्टर श्री चेतन जी देवड़ा ने संस्थान प्रतिनिधि उमेश जी आचार्य को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

मुश्किलों से राहत मिली प्रमोद को

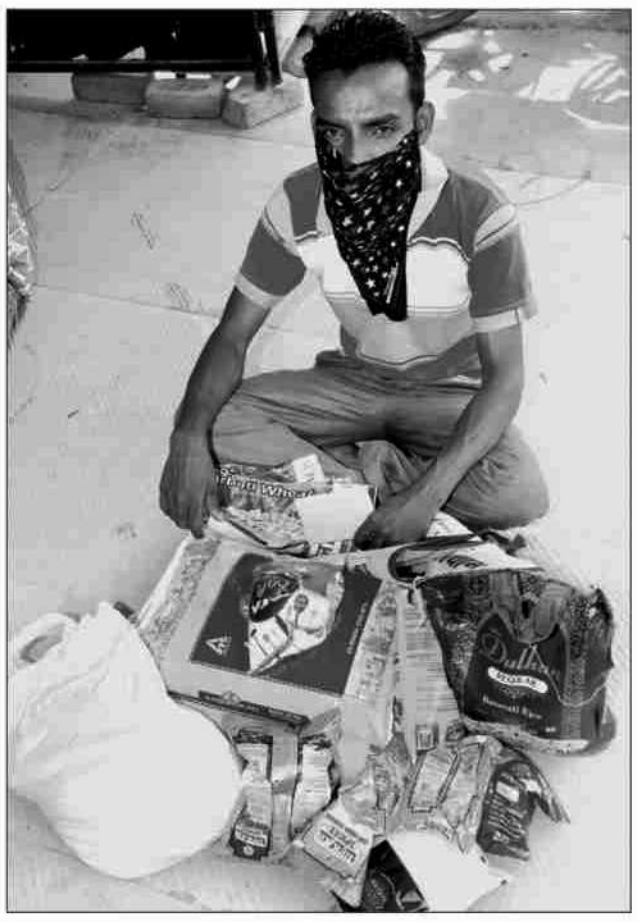

उदयपुर शहर के निकट बलीचा बस्ती में रहने वाले प्रमोद यादव (30) का कोरोना के चलते लॉकडाउन में ऑटो ही बंद नहीं हुआ गृहस्थी की गाड़ी भी थम गई। पति–पत्नी और तीन छोटी बच्चियों के परिवार के सामने घोर अंधेरा छा गया।

ऑटों के पहिये चलते थे तो घर भी चलता था। सब लोग घरों में थे। दुकानें, फैक्ट्रियां, निर्माण कार्य, पर्यटन स्थल, रेलें, बसें सब स्थगित थी। घर में निराशा का गहरा सन्नाटा पसरा था। जिसे नारायण सेवा संस्थान के सेवादूतों ने दरवाजे पर दस्तक देकर अप्रेल के शुरू में ही हटा दिया। वे अपने साथ भोजन के पैकेट व राशन लेकर आए थे। उन्हें देख परिवार ने भगवान को धन्यवाद दिया।

प्रमोद बोला– सचमुच आप नारायण के दूत समान ही है। हमारी मुश्किल को आपने हल कर दिया। मकान का किराया तो मैं आज नहीं तो कल हालात सम्भलने पर मजदूरी कर चुका दूंगा लेकिन आपने तो मेरे और परिवार के जिंदा रहने का सबब ही दे दिया। आप धन्य हैं। इस परिवार को अप्रैल से नियमित राशन दिया जा रहा है।

भगवान श्री कृष्ण ने झठी पतलें उठाने की सेवा चुनी

धर्मराज युधिष्ठिर के राजसूय– यज्ञ का आयोजन होने जा रहा था। युधिष्ठिर ने भगवान श्री कृष्ण से नम्र निवेदन किया कि इस महायज्ञ में आप कौन सी सेवा स्वीकार करेंगे? श्री कृष्ण जी ने कहा अतिथियों की झूठी पतलों को उठाने, तथा वहाँ की भूमि को साफ करने और स्वच्छता बनाए रखने की सेवा करूंगा। यह बात सुनकर युधिष्ठिर चकित रह गए और बोले– 'भगवन यह तो छोटों का काम है।' इस पर श्री कृष्ण जी बोले को कोई सेवा कार्य छोटा नहीं होता।

परोपकार का फल ही साथ जाता है

एक बार गुरुनानक देव जी लाहौर में ठहरे हुए थे। उसी शहर के एक धनी आदमी दुनीचन्द गुरुनानक देव जी के पास आए और बोले– 'मैं इस शहर का सबसे धनवान आदमी हूँ। जो आप कहोगे, मैं करूँगा।'

नानक देव जी ने उनको एक सूई दी और कहा– 'आप इस सूई को मुझे अगले जन्म में, जब हम मिलेंगे, दे देना। उस आदमी ने सूई ले ली। फिर उसे विचार आया कि यह सूई मैं अपने साथ कैसे ले जा सकता हूँ? वह गुरु नानक देव जी से बोले– 'नहीं गुरु जी, मैं यह सूई अपने साथ नही ले जा सकता हूँ। तभी गुरु नानक देव जी बोले– 'भाई! जो धन–दौलत आपने इकट्ठी कर रखी है, इसे गरीब और जरूरतमंदो में बांट दो। भण्डारे लगवाओ, महिला आश्रम, चिकित्साल खुलवाओ। यही तुम्हारे साथ जाएगा।

छोटे–बड़े काम हमारे व्यक्तित्व निर्माण का हिस्सा होते हैं

बढ़ाएं सोच का दायरा

सभी सफल लोगों ने अपने डर पर व अपने विचारों पर काबू रखा। उन्होंने बड़ी सोच के साथ रास्ते में आने वाली तकलीफों को अपने सकारात्मक नजरिये के साथ पार किया। वे एक सामान्य जीवन से श्रेष्ठ जीवन की ओर कदम बढ़ाते गए। जीवन में छोटी सोच आगे नहीं बढ़ने देती इसलिए सोच का दायरा बड़ा करें। इसी हिसाब से एक्शन प्लान को बनाएं। कभी किसी दूसरे व्यक्ति को सफलता को देखकर परेशान न हों। हमेशा कुछ न कुछ नया सीखने की कोशिश करें।

रिस्क लें

हर सफल इंसान में कुछ बातें एक जैसी होती हैं। वह बड़ी रिस्क लेना पसंद करता है। वह हमेशा नौकरी बचाने की फिक्र नहीं करता है। वह कुछ खो देने के डर से हर चीज को जकड़कर नहीं बैठता। अपने पास मौजूद हर चीज को दांव पर लगाना जानता है। वह जानता है कि वह सब कुछ खो सकता है वह कभी हिम्मत नहीं हारता है। खुद को हर खतरे से बचाकर आप सफल नहीं हो सकते हैं। सब कुछ पा लेने से पहले सब कुछ खो देने की आंशका से गुजरना पड़ता है। यदि मन में संतोष है तो आप सफल ही हैं। तब आप को रिस्क लेने की आवश्यकता नहीं है।

सबकी मदद करें

सफल व्यक्ति सबकी मदद करने की कोशिश करते हैं। उन्हें पता होता है कि सबकी मदद करने से उन्हें आगे बढ़ने का रास्ता मिलेगा। वे दूसरों से उन्हें आगे बढ़ने का रास्ता मिलेगा। वे दूसरों की मुश्किलों को कम करने की कोशिश करते हैं। इससे उन्हें खुशी व नई ऊर्जा मिलती है।

नया तरीका पता लगाएं

सफल इंसान हर काम नए तरीके से करने की कोशिश करता है। वह कुछ नया करने के लिए स्वयं को प्रेरित करता है।

देशभर में नारायण सेवा संस्थान की शाखाएं

जबलपुर
आर. के. तिवारी,मो. 9826648133
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माधोंतल, जिला - जबलपुर (म.प्र.)

कोरबा
श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा (छ.ग.)

मुम्बई
श्री कमलचन्द लोढ़ा,मो. 08080083655
दुकान नं 660, आर्किडसिटी सेन्टर,द्वितीय मंजिल, बेस्ट डिपो के पास, बेलासिस रोड़, मुम्बई सेन्ट्रल (ईस्ट) 400008

जुलाना मण्डी
श्रीराम निवास जिन्दल,
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद (हरियाणा)

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

शाहदरा शाखा
विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा,ईस्ट दिल्ली

हापुड़ (उ.प्र.)
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल,मो. 09829769960
C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001 (राज.)

अम्बाला केन्ट
श्री मुकुट बिहारी कपूर ,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट, अम्बाला केन्ट-133001(हरियाणा)

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,मो. 09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर 302012 (राजस्थान)

अजमेर
सत्य नारायण कुमावत
मो. 9166190962,कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, जिला अजमेर (राज.)

पाली/जोधपुर
श्री कान्तिलाल मूथा,मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़ (राज.)

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

रतलाम
चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम (म.प्र.)

सिरसा, हरियाणा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा, हरि.

नांदेड़ (सेवा प्रेरक)
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़, महाराष्ट्र

पाचोरा (महाराष्ट्र)
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मन्दसौर
मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9758310864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर (मध्यप्रदेश)

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा (ज.क.)

चुरु
श्री गोरधन शर्मा,मो. 09694218084,गाँव व पोस्ट - झोंथड़ा, त. तारानगर, चुरू-331304 (राज.)

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना,मो. 09425050136
A-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल (म.प्र.)

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गांस्वामी,मो. 9887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रांहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पॉईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर (राज.)

नई दिल्ली
श्री आदेश गुप्ता, मो.9810094875, 9899810905
मकान नं. : ए-141, लोक विहार, पितमपुरा, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली

आकोला
हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला (महाराष्ट्र)

पलवल
वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल (हरि.)

बरैली
कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला - बरैली- (उ.प्र.)

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग (झारखण्ड)

परभणी (महाराष्ट्र)
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

खरसिया
श्री बजरंग बंसल,मो.-09329817446
शान्ति ड्रेसेज, नियर चन्दन तालाब शनि मन्दिर के पास,खरसिया (छ.ग.)

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो.-09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

नरवाना(हरियाणा)
श्री धर्मपाल गर्ग,मो.-09466442702,
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग मो.-9728941014
165-हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी नरवाना,जीन्द

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

सुमेरपुर (राज.)
श्री गणेश मल विश्वकर्मा,मो. 09549503282
अंचल फाउण्डरी, स्टेशन रोड़, सुमेरपुर, पाली

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,मो. 9829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी चित्तौड़ रोड़, बून्दी (राज.)

कैथल
श्री सतपाल मंगला,मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर (छ.ग.)

बालोद
बाबूलाल संजय कुमार
जैन मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)

मथुरा
श्री दिलीप जी वर्मा
मो. 08899366480
1, द्वारिकापुरी,कंकाली, मथुरा (उ.प्र.)

धनबाद(झारखण्ड)
श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाईं बलिया,जिला-हजारीबाग (झारखण्ड)

मुम्बई
श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

बरैली
विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरैली (उ.प्र.)

दीपका, कोरबा (छ.ग.)
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

हाथरस (उ.प्र.)
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा,मो.-09024749075,
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर (राज.)

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040 (हिमाचलप्रदेश)

हमीरपुर
श्री रसील सिंह मनकोटिया ,मो. 09418061161
जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

झारखण्ड
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641,
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट
राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़ (झारखण्ड)

संस्कृत के लिए छोड़ी एयर होस्टेस की नौकरी

स्पेन की मरिया रूड्स तीन साल पहले एयर होस्टेस की नौकरी छोड़कर संस्कृत पढ़ने के लिए भारत आई थी। उन्होंने न सिर्फ शास्त्री पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर इस विषय को सीखा– समझा बल्कि विश्वविद्यालय से मिसाल बनी। सपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उन्हें राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उपाधि सौपी। उन्होंने स्पेन की इस छात्रा की तारीफ की।

मारिया ने मीमांसा विषय से स्नातकोत्तर किया है। मारिया, हिंदी, इंग्लिश, जर्मन, स्पेनिश के अलावा संस्कृत भी अच्छी तरह से बोलना जानती है। उन्होंने सोशल वर्क की पढ़ाई भी की है। उन्होंने गुरुकुल ट्रस्ट में रहकर पहले संस्त की जानकारी ली फिर विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। उन्होंने बताया कि काशी आकर मैंने संस्कृत की विशेषता को जाना है। अब मारिया शिक्षक बनकर इस भाषा का अपने देश में प्रचार प्रसार करने की इच्छा रखती है। अब संस्कृत में पीएचडी करेंगी।

कठिन नहीं लगा 'मीमांसा' विषय

मारिया कहती है उन्हे मीमांसा कठिन विषय नहीं लगा। जबकि, यह काफी कठिन माना जाता रहा है। मारिया 12 साल से भारत आ रही हैं। पहले वह ऋषिकेश आई फिर बनारस। यहीं से उन्हें इस भाषा को सीखने की रूचि पैदा हुई। शुरूआत में यह भाषा समझने में उन्हे काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सम्पादकीय

कहा गया है कि बड़े भाग मानुष तनु पावा। सचमुख मनुष्य देह का धारण करना सौभाग्य का विषय है। क्योंकि मानव के अलावा अन्य सभी योनिया केवल भोग कर सकती है, कर्म नहीं। विश्व को कर्म प्रधान भी कहा गया है। यह केवल मानव देह से ही संभव है। माानव – देह में अवस्थित आत्मा ही परमात्मा के संकेतों को पकड़ या समझ पाती है। तभी मानव दे के माध्यम से सेवा, दया, करूणा, तथा मानवता को रक्षा के वृहद्तम कार्य संपादित लेते है। मानव शरीर के लिए तो देवता भी लालायित रहते है। क्योंकि यही वह योनि है जो मुक्ति के लिए प्रयास करके जीवित या मरणोपरांत मोक्ष की सिद्धि पा सकती है। यह जो तन की क्षमता है यह प्रकृति – प्रदत्त है। पर केवल तन प्राप्त कर लेने से ही मोक्ष / मुक्ति हो जाती तो सभी मनुष्य मोक्षमार्गी होते । बात तो तन में स्थित आत्मा और उसकी सहयोगिनी शक्तियों को जागृत करने की है। हम सद्संगीत , सद्विचारों व सद्आचरण सेस अपना शक्तियाँ जागृत करें तभी ईश्वर को धन्यवाद देने के अधिकारी होंगे कि आपने मनुष्य देह दी।

कुछ काव्यमय

अक्षम को सक्षम करे,
यह ग्रंथों की राय।
जो इस पथ पर चल पड़ा,
संत वहीं कहलाय।।
सद्गुणी और दुर्गुणी ,
सभी जगत के अंश।
सदाचार पर जो चला ,
उसका जीवित वंश।।
सेवाधारी पहुँचता ,
ईश्वर के दरबार ।
उसको निशिचित ही मिले,
प्रभु का पावन प्यार।
जो सेवा में रम गया,
उसका बेड़ापार।।
उसको दोनों सध गये,
स्वर्ग और संसार।
जप तप पूजा पाठ सब,
सेवा में है लीन।
यही संध्या उपासना,
यही लोक हैं तीन।।

- वरदीचन्द राव, अतिथि सम्पादक

अपनों से अपनी बात

अहंकार छोड़ें

धनुर्विद्या के कई मुकाबले जीतने के बाद एक युवा धुरंधर को अपने कौशल पर घमंड हो गया। उसने एक पहुंचे हुए गुरु को मुकाबले के लिए चुनौती दी। गुरु स्वयं बहुत प्रसिद्ध धनुर्धर थे। युवक ने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए दूर एक निशाने पर अचूक तीर चलाया। उसके बाद उसने एक और तीर चलाकर निशाने पर लगे तीर को चीर दिया। फिर उसने अहंकारपूर्वक गुरु से पूछा, "क्या आप ऐसा कर सकते हैं ?" गुरु इससे विचलित नहीं हुए और युवक को अपने पीछे–पीछे पहाड़ पर चलने के लिए कहा। युवक समझ नहीं पा रहा था कि गुरु के मन में क्या था?

इसलिए वह उनके साथ चल दिया। पहाड़ पर चढ़ने के बाद वे एक ऐसे स्थान पर आ पहुंचे, जहां दो पहाड़ों पर चढ़ने के बाद वे एक ऐसे स्थान पर आ पहुंचे, जहां दो पहाड़ों के बीच एक गहरी खाई पर एक कमजोर सा रस्सियों का पुल बना हुआ था। पहाड़ पर तेज हवाएं चल रही थीं और पुल बेहद खतरनाक तरीके से डोल रहा था। उस पुल के ठीक बींचोंबीच जाकर गुरु ने बहुत दूर एक वृक्ष को निशाना लगाकर तीर छोड़ा, जो बिल्कुल सटीक लगा। पुल से बाहर आकर गुरु ने युवक से कहा, "अब तुम्हारी बारी है।" यह कहकर गुरु एक ओर खड़े हो गए। भय से कांपते–कांपते युवक ने स्वयं को जैसे–तैसे उस पुल पर किसी तरह से पैर जमाने का प्रयास किया। पर वह इतना घबरा गया था कि पसीने से भीग चुकी उसकी हथेलियों से उसका धनुष फिसल कर खाई में समा गया। गुरु बोले, "इसमें कोई संदेह नहीं है कि धनुर्विद्या में बेमिसाल हो, लेकिन उस मन पर तुम्हारा कोई नियंत्रण नहीं जो किसी तीर को निशाने से भटकने नहीं देता।" बंधुओं ! अहंकार खतरनाक है। इससे सदैव बचें। संसार में आज भी ज्यादातर लोग इस रोग के शिकार हैं। धन, पद, जाति, धर्म अथवा और किसी बात का अहंकार व्यक्ति के सार्थक जीवन में भटकाव ही पैदा करता है। अहंकार के कारण व्यक्ति ही स्वयं को नहीं जान पाता तो वह ईश्वरीय सत्ता का अनुभव कैसे कर पाएगा। अहं से अहं का नाश नहीं होता। अहं के पीछे अहं जन्य कारण ही होते हैं। अहंकार द्वारा शारीरिक क्रियाओं–लक्षणों में परिवर्तन, रासायनिक स्राव में परिवर्तन, पारिवारिक संबंधों में परिवर्तन, मानसिक चिंतन और सामाजिक सरोकारों में परिवर्तन होने लगता है। इस प्रकार अहं का दायरा बहुत व्यापक है। अहं हमारे स्थूल व्यक्तित्व का एक पुर्जा है। जिसके परमाणु हमारे शरीर में व्याप्त हैं। हमें उन परमाणुओं का संप्रेषण कर अहं के स्रावों को मिटाना है।

– कैलाश 'मानव'

सुख, दुः.ख मन की सोच

सुख–दुःख मन की सोच होती है। जैसा मन होता है, वैसा ही भाव पैदा हो जाता है। कोई सुख में दुःख ही ढूँढ़ता रहता है तथा कोई दुःख में भी सुख ढूँढ़ ही लेता है। सही कहा गया है –मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।

एक बार किसी राज्य में आकाशवाणी हुई कि आज कल्पवृक्ष का धरती पर अवतरण हुआ है, अतः सभी लोग ध्यानपूर्वक सुनें कि उनके जितने भी दुःख हैं, उन्हें कल्पना की गठरी में बाँधकर रात्रि 12 बजे से सुबह सूर्य की पहली किरण निकलने तक राज्य की अमुक जगह पर रख आना है तथा वहाँ से इच्छित सुखों की गठरी ले आएँ। बार–बार यह आकाशवाणी होती रही, जिससे जिन लोगों में इस बात का अविश्वास था, वे भी अब यह मानने लगे कि वास्तव में कल्पवृक्ष का अवतरण है, अतः सुख अवश्य मिलेंगे।

सभी लोग योजना बनाने लगे कि रात्रि 12 बजे दुःखों की गठरी बनानी है, उसे छोड़कर आना है तथा सुखों की गठरी लानी है। अमीर क्या, गरीब क्या, सभी लोग अपने दुःखों की गठरियाँ लेकर जाने लगे।

वे सभी छोटी–छोटी चींटियों के समान दिखाई दे रहे थे। वहाँ एक साधु बाबा भी रहते थे। उनको भी लोगों ने अपने दुःखों की गठरी लाने हेतु कहा। परन्तु बाबा ने मना कर दिया। जब सभी लोग सुखों की गठरी लेकर वापस आए तो उन्होंने देखा कि जो छोटी–छोटी झोपड़ियाँ थीं, वे सभी महलों में बदल गई थीं। वे जो सुख चाहते थे, उन्हें वे सभी सुख प्राप्त हो गए। आश्चर्य से उन सभी लोगों की आँखें फटी की फटी रह गईं। आखिरकार भविष्यवाणी सत्य साबित हो गई थी। सभी लोग बहुत खुश हो गए। परन्तु कुछ ही क्षणों पश्चात् सभी दुःखी भी हो गए। अब पुराने दुःखों की जगह नए दुःखों ने ले ली थी, क्योंकि पड़ोसी का घर या महल मेरे से बड़ा व भव्य कैसे हो गया? दूसरों के सुख से दुःखी होने का क्रम बन गया। अब लोगों के मन में नए दुःख पैदा हो गए।

चित्त वही, मन वही, विचार वही, विकार वही, बदला तो केवल सुख और दुःख। जिस व्यक्ति के मन में ईर्ष्या, लोभ–लालच तथा द्वेष हो तो कितने ही पुराने दुःख बदल जाएँ तो भी उनके मन में नए दुःख आ ही जाएँगे तथा कितने ही सुख आ जाएँ, तब भी उनके मन में दुःख आ जाएँगे। सभी लोग मन से दुःखी थे, तब उन्हें वही संन्यासी मिला।

उन्होंने उस संन्यासी से कहा–अगर आप भी आ जाते तो आपको भी धन–वैभव प्राप्त हो जाता। तब संन्यासी ने कहा–तुम ये सब प्राप्त करके अंदर से सुखी हो क्या? क्या तुम्हारे सभी दुःख समाप्त हो गए? लोगों ने उत्तर दिया – हम अन्दर से सुखी तो नहीं हैं। परन्तु क्या आप सुखी हैं?

साधु ने कहा – जिस सुख को तुम बाहर खोजते हो, मैं उसे अपने मन के भीतर खोजता हूँ और मैं खुश हूँ। सुख–दुःख मन के अन्दर होता है, बाहर नहीं। ये दोनों व्यक्ति की सोच में है।

–सेवक प्रशान्त भैया

एक सेवाभावी मानव की जीवनी

(वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश जी गोयल द्वारा लिखित–झीनी–झीनी रोशनी से)

दो– तीन दिन बाद दिल्ली से औपचारिक पत्र भी आ गया। 8 मई को दिल्ली पहुँचने का निमन्त्रण था। अशोक होटल में 3 दिन ठहरने की व्यवस्था सरकार द्वारा की गई थी। कैलाश 10 लोगों के दल के साथ 7 मई को ही दिल्ली पहुंच गया। बड़े भाई, दोनों छोटे भाई, पत्नी कमला, पुत्र प्रशान्त, पुत्रवधु वन्दना, पुत्री कल्पना, दामाद सुनील सबके लिये होटल का एक सुईट मिल गया, यह तीन कमरों का समूह था, सब आरामी से उसी में ठहर गये। अशोक होटल के ही एक कक्ष में गृह मंत्रालय का कार्यालय भी बना हुआ था। यहां संयुक्त सचिव बैठे थे। वे सभी पुरस्कार विजेताओं को बुला बुलाकर अलंकरण समारोह की औपचारिकताओं व शिष्टाचार के बारे में समझा रहे थे। उन्होंने समारोह में 15 लोगों को ले जाने के पास दिये। इनमें भोजन, वाहन आदि के पास भी शामिल थे। अधिकारी अलंकरण समारोह की प्रतिकृति सी बनाकर समझा रहे थे कि राष्ट्रपति के सम्मुख किस तरह जाना है, उनके समक्ष किस तरह खड़े होना है तथा पुरस्कार किस तरह ग्रहण करना है।

अंश-227

पानी की कमी से भी दिमाग सिकुड़ता, याद्दाश्त पर असर

परीक्षाएं कुछ जगह शुरू हो गई हैं जबकि कुछ कॉलेज–विश्वविद्यालयों में शुरू होने वाली हैं। परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी है कि याद्दाश्त अच्छी हो। इसके लिए पर्याप्त पानी एवं 7–8 घंटे की नींद भी जरूरी है। छात्रों को चाहिए वह सुबह जल्दी उठें और रात में समय से सोएं। सुबह संभव हो तो थोड़ी देर योग–प्राणायाम करें। इससे भी मैमोरी पर असर पड़ता है। हमारे मस्तिष्क का 85 प्रतिशत भाग पानी से बना हुआ है। इसलिए शरीर में पानी की कमी न होने दें। पानी की कमी से मस्तिष्क की कोशिकाओं मे सिकुड़न होती है। जो कि एकाग्रता और याद्दाश्त को प्रभावित करती है। रोज कम से कम 6 से 8 गिलास पानी जरूर पिएं।

आहर में सेब, अखरोट, भीगे हुए बादाम, पालक, डेयरी प्रोडक्ट्स, हरी सब्जियों को शामिल करें। ज्यादा समस्या है तो विशेषज्ञों की सलाह से ब्राह्मी और शंखपुष्पी भी ले सकते हैं। इससे लाभ मिलेगा।

दूसरों की प्रसन्नता में अपनी प्रसन्नता

नगर के लिए सार्वजनिक पार्क की आवश्यकता थी, किंतु जमीन सोने के तौल में भी नहीं मिल रही थी। इस बात का पता चलते ही उद्योगपति विलयन एलनाइट ने अपनी 100 बीघे की खाली पड़ी जमीन, जिसमें वे एक बड़ी फैक्ट्री लगाने जा रहे थे, कार्पोरेशन का दान कर दी। इस पुनीत कार्य के लिए उनका अभिनन्दन किया गया। अपने सम्मान का उत्तर देते हुए एलन ने कहा–"जमीन देकर मुझे तीन हार्दिक प्रसन्नताएं हो रही हैं?"

किसी ने जिज्ञासा वश पूछा – "आपकी शेष दो खुशियाँ कौन सी हैं?" उन्होंने कहा–"एक वह जब मैंने इस जमीन को खरीदने के लिए संपत्ति जुटाई, दूसरी तब जब जमीन पाई, तीसरी आपके सामने है।"

अनुभव अमृतम्

भैरव बाग में सुन लिया। उन्हीं के घर पर भोजन करने जाते थे। साथ में पास बैठकर के भोजन करते थे। बिसलपुर गाँव में कुछ बोले नहीं। मैंने सोचा शायद नहीं, दे पायेंगे। कोई बात नहीं, घर पर आये हाथ वगैरह धोये भोजन के लिए बैठे। पास के कमरे में गये फिर पाँच हजार रुपये हाथ में लाकर के रख दिये। कैलाश जी ले ओ सम्भाल कर रखना। 6 महीने बाद मै ब्याज समेत उनके पास देने लगा पाँच हजार दे दिये मैंने कहा भाईसाहब ब्याज कितना दूं? तो उनकी आँखों में आँसू आ गये।

कैलाश जी फलाने गाँव के एक व्यक्ति ने आठ–दस हजार रुपये ब्याज पर लिए थे। तीन साल हो गये मूल भी नहीं देता, ब्याज भी नहीं देता, और मैं कभी कहता हूँ कि रुपया लौटा दो तो मारने दौड़ता है, गाली–गलौच करता है। एक तरफ वो आदमी। आप मूल लौटा रहे हो, और आप इतनी सेवा करते हो, इतना प्रेम रखते हो। बिसलपुर भैरव नेत्र चिकित्सालय के प्रति आप से ब्याज तो नहीं लूंगा। मैंने हाथ जोड़ दिये। उन्हीं राजमल जी भाईसाहब को एक बार मैंने कहा भाईसाहब अपने बिसलपुर हॉस्पीटल के दान–दाताओं के पास जाना चाहिए। जिन्होंने केम्प करवाया वहाँ जाना चाहिए। मैं लिखूंगा सबकुछ आप केवल हाँ भरलो।

सबको मैं उदयपुर से सम्भालूंगा आप को कुछ नहीं करना, आप तो विचार बता दीजियेगा। मैं तो आपके विचारों को लिखना चाहता हूँ। दुनिया में आपके विचार फैले। क्या करना कैलाश जी? क्या करना फोटो से? क्या करना है पत्रिका से? फिर भी राजमल जी भाईसाहब ने हाँ भरली। मैं खुश हो गया।

सेवा ईश्वरीय उपहार– 107 (कैलाश 'मानव')

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियो ग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
कैलीपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	5100	15,300	25,500	56,100

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

मो नं. : +91-294-6622222 वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

'मन के जीते जीत सदा' दैनिक समाचार-पत्र अब ऑनलाईन साईट पर भी उपलब्ध है

www.narayanseva.org, www.mannkijeet.com

: kailashmanav

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक : कैलाश चन्द्र अग्रवाल स्वामित्व : नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल : सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से. 4, उदयपुर (राज.) 313002
मुद्रक : न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर - 3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा, उदयपुर
• सम्पादक : लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 8278607811, 9119398965 • ई-मेल : mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. RAJHIN/2014/59353 • डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023